वह बहुत प्रसन्न हुआ। उसकी जान-में-जान आ गई। उसने घड़े के अंदर झाँका, तो उसे ज्ञात हुआ कि घड़े में पानी बहुत थोड़ा है। उसकी चोंच यत्न करने पर भी उस तक नहीं पहुँच सकी। परंतु उसने हिम्मत न हारी। उसने इधर-उधर देखा। आँगन के एक कोने में छोटे-छोटे कंकड़ों का ढेर लगा था। उसे झट एक उपाय सूझा। उसने अपनी चोंच से एक-एक कंकड़ उठाकर घड़े में डालना आरंभ कर दिया। जैसे-जैसे वह कंकड़ घड़े में डालता गया, पानी ऊपर आता गया। अंत में पानी घड़े के मुँह तक आ गया। अब कौए ने सुगमता से पानी पीकर अपनी प्यास बुझाई। अंततः उसे परिश्रम का फल मिल गया।

शिक्षा—जहाँ चाह, वहाँ राह।

(ख) संकेत के आधार पर कहानी-लेखन

संकेत—जंगल में विश्राम करता हुआ शेर ..... चूहे का शेर पर उछलना-कूदना ..... शेर का क्रोधित होना ..... चूहे का गिड़गिड़ाना ..... कभी सहायता करने का वादा करना ..... शेर का हँसना ..... शेर का चूहे को छोड़ना ..... शेर का शिकारी के जाल में फँसना ..... चूहे का जाल काटकर शेर को बचाना।

शेर और चूहा

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक दिन वह दोपहर को वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहा था, तभी एक छोटा सा चूहा अपने बिल से निकलकर आया तथा शेर के शरीर पर उछल-कूद करने लगा, जिसके कारण शेर की नींद खुल गई। अपने शरीर पर एक छोटे-से चूहे को उछल-कूद करते देखकर शेर को बहुत क्रोध आया। उसने चूहे को अपने पंजों में दबोच लिया। भयभीत चूहे ने अत्यंत विनीत स्वर में कहा, "महाराज! मुझ पर दया कीजिए। मैं एक छोटा-सा प्राणी हूँ, कृपया मुझे छोड़ दीजिए। मैं आपका यह उपकार जीवन भर नहीं भूलूँगा और समय पड़ने पर अपनी जान पर खेलकर भी आपकी सहायता करूँगा।" शेर उसकी बात सुनकर हँसा और बोला, "अरे चूहे! तुम भला मेरी क्या सहायता कर सकते हो। फिर भी मैं तुम पर दया करके छोड़ रहा हूँ।" चूहे ने शेर को धन्यवाद किया और अपने बिल में चला गया। कुछ दिनों बाद वही शेर शिकारी के जाल में फँस गया जिसके कारण वह भीषण गर्जन करने लगा। चूहे ने अपने बिल में से ही उसकी आवाज़ पहचान ली। वह बिल से बाहर आया और बोला, "महाराज! आप चिंता न करें। एक दिन आपने मुझ पर उपकार किया था। आज मैं उस उपकार का बदला अवश्य चुकाऊँगा।" यह कहकर चूहे ने शेर का जाल काट दिया। शेर ने चूहे का धन्यवाद किया और घने जंगल में चला गया।

शिक्षा— 1. छोटे-से-छोटा व्यक्ति भी समय पड़ने पर काम आ सकता है।

2. किसी के उपकार को भूलना नहीं चाहिए।

1. शीर्षक के आधार पर कहानी-लेखन